तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

12 तेल में मिलावट की शिकायत पर टीम ने की पेट्रोल पंप पर जांच

12 भाविप ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

खबर संक्षेप

सीईटी परीक्षा को धारा 163 के अन्तर्गत आदेश जारी

हिसार। जिला हिसार के सरकारी/गैर-सरकारी स्कूल/कॉलेजों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर सीईटी 2025 की परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए जिलाधीश अनीश यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत आदेश जारी किए है।

एससी आयोग अध्यक्ष का हिसार दौरा कल

हिसार। हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र बलियाला 23 जुलाई को हिसार दौरे पर रहेंगे। यह जानकारी उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र बलियाला पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह हिसार में आयोग में पहले से विचाराधीन मामलों की समीक्षा करेंगे तथा आमजन द्वारा रखी जाने वाली शिकायतों की भी सुनवाई करेंगे।

39 बेसहारा पशुओं को पकड़कर भेजा गौ-अभ्यारण

हिसार। निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार व अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के दिशा-निर्देश पर बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान की निरंतर जारी हैं। एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि टीम के द्वारा महाबीर कॉलोनी, ऑटो मार्केट व पड़ाव चौक सूरजमल कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिरसा रोड के आस-पास के क्षेत्र से बेसहारा पशु पकड़ने का अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने दो दिन में 39 बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौ-अभ्यारण में भेजा गया।

शिव शक्ति सेवा समिति का शिवरात्रि महोत्सव आज

हिसार। शिव शक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में 27वां सावन शिवरात्रि महोत्सव व भंडारा 22 जुलाई को रात्रि 8 बजे राजगुरु मार्किट में आयोजित किया जाएगा। समिति के संस्थापक कृष्ण कालड़ा ने बताया कि महंत पवन कुमार जोशी, स्वामी राजदास महाराज, महंत तुरंतपुरी महाराज, पुजारी विनय शर्मा के सान्निध्य में होने वाले शिव जागरण व भंडारे के अवसर पर अनेक समाजसेवी अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगे।

चोरी करने का दूसरा आरोपी जांच में शामिल

हांसी। शहर थाना पुलिस ने ऑटो में बैठे एक व्यक्ति के एक लाख रुपए चोरी मामले में दूसरे आरोपी जींद की विश्वकर्मा कालोनी निवासी रविन्द्र को अभियोग में शामिल जांच किया गया है। जांच अधिकारी एएसआई सत्यवान ने बताया कि जांच में शामिल किए गए आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर 2 जून को एचएसवीपी सेक्टर 6 हांसी में ऑटो में बैठे थुराना निवासी होशियार की जेब से एक लाख रुपये चोरी कर लिए थे।

डेयरी कॉम्प्लेक्स के कार्यों का लगाया 34 करोड़ 61 लाख टेंडर, जल्द होंगे कार्य

50 एकड़ में बनेगा मिल्क डेयरी कॉम्पलेक्स

हिसार। पशु डेयरी में बंधी भैंस।

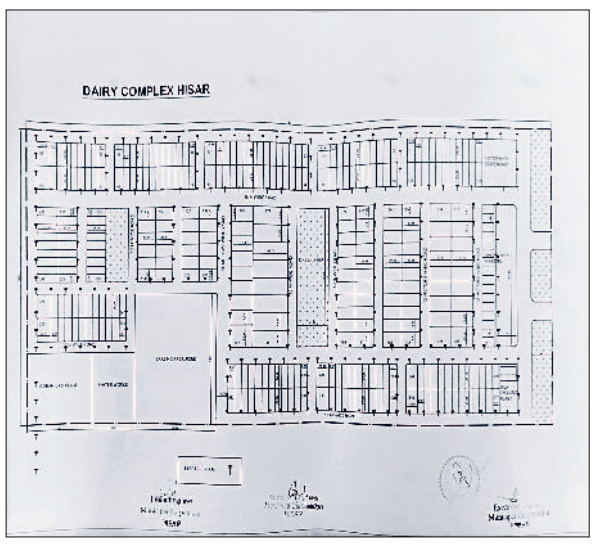

हिसार। मिल्क डेयरी कॉम्पलेक्स प्रोजेक्ट का नक्शा

डेयरी कॉम्प्लेक्स में होंगी 342 पशु डेयरियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नगर निगम द्वारा बगला रोड पर मिल्क डेयरी शिफ्ट करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। निगम प्रशासन की ओर से मिल्क डेयरी के कार्यों का 34 करोड़ 61 लाख का टेंडर लगाया गया है। मिल्क डेयरी का ले-ऑउट भी तैयार कर लिया गया है। 50 एकड़ में बनाई जाने वाले डेयरी कॉम्प्लेक्स में 342 पशु डेयरियां होंगी। नए टेंडर के कार्यों में रोड का निर्माण, पार्क, बाउंड्री, सीवरेज लाइन, टॉयलेट, तालाब, जिम, सोलर पैनल, पशु अस्पताल, गेट का निर्माण, स्टॉर्म वॉटर लाइन, वॉटर वर्क्स आदि कार्य शामिल है।

24 साल पहले हुई थी डेयरी शिफ्टिंग की घोषणा

वर्ष 2000 में इनेलो सरकार में पहली बार डेयरी शिफ्टिंग की घोषणा हुई थी। निगम ने इसके लिए धान्सू रोड पर जमीन ली थी। मगर प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। इसके बाद वर्ष 2004-05 में डेयरी शिफ्टिंग का मुद्दा दोबारा से उठा तो अफसरों को जमीन तलाशने की जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2005 में जिला प्रशासन ने 24 एकड़ सरकारी जमीन चिह्नित की। साल 2010 में डेयरी शिफ्टिंग के लिए शहर में सर्वे भी हुआ था, जिसमें 292 डेयरियां संचालित मिलीं। निगम अधिकारियों ने अगस्त 2013 में बगला रोड पर 137 एकड़ सात कनाल 14 मरले भूमि चिह्नित कर सरकार के पास प्रस्ताव भेजा। इसके बाद भी प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। 29 दिसंबर 2014 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने डेयरी शिफ्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर फिर घोषणा की। शहर के चारों तरफ 25-25 एकड़ जमीन पर डेयरियां शिफ्ट करने की घोषणा की गई। मगर अलग-अलग जमीन नहीं मिली। आखिरकार साउथ बाइपास (बगला रोड) पर ही 50 एकड़ जमीन फाइनल हुई।

मिल्क डेयरी शिफ्टिंग के ये होंगे फायदे

मिल्क डेयरी शिफ्ट होने से शहर की उन स्थानों से गंदगी नहीं होगी जिसमें मिल्क डेयरियां है। बहुत से डेयरी संचालक पशुओं को गोबर सीधे सीवरेज में डालते हैं, जिससे सीवरेज व्यवस्था बाधित होती है। डेयरी शिफ्टिंग से इससे भी छुटकारा मिलेगा। दुर्घटनाएं नहीं होगी।

जल्द शिफ्ट होंगी मिल्क डेयरी

शहर के बाहर मिल्क डेयरी शिफ्टिंग का बड़ा प्रोजेक्ट है। जल्द ही शहर से मिल्क डेयरी शिफ्ट होगी। **-प्रवीण पोपली, मेयर हिसार।**

नए ले आउट में प्लॉट का ब्योरा

- 250 वर्ग गज-239 प्लॉट
- 350 वर्ग गज-68 प्लॉट
- 500 वर्ग गज-27 प्लॉट
- 1000 वर्ग गज-8 प्लॉट
- 16 दुकान-9 गुणा 15
- वेटरनरी अस्पताल-2194 वर्ग मीटर
- मिल्क चिलिंग प्लांट-1170 वर्ग मीटर
- गैस प्लांट-5360 वर्ग मीटर
- वाटर वर्क्स-3688 वर्ग मीटर

टेंडर लगाया

मिल्क डेयरी कॉम्प्लेक्स के कार्यों के लिए टेंडर लगाया गया है। जल्द ही ये कार्य करवाए जाएंगे और जल्द ही प्लाटों की ई ऑक्शन शुरू होगी। **-नीरज, निगमायुक्त, नगर निगम।**

हिसार। ई-दिशा केन्द्र का निरीक्षण करते मेयर प्रवीण पोपली व मौजूद अधिकारी।

मेयर पोपली ने किया निगम की ई-दिशा केन्द्र का निरीक्षण

- शहरवासी समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाकर छूट का लाभ उठाए : मेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मेयर प्रवीण पोपली ने नगर निगम कार्यालय में स्थित ई-दिशा केन्द्र का किया निरीक्षण किया। इस दौरान सचिव संजय शर्मा मौजूद रहे। आगामी 31 जुलाई तक वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रॉपर्टी टैक्स भरने पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है जिसको लेकर शहरवासियों द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने वालों की संख्या बढ़ गई है। निरीक्षण के दौरान प्रवीण पोपली ने ई-दिशा केन्द्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने के लिए एक और केस काउंटर बनाने के निर्देश दिए। इस प्रकार अब दो काउंटरों पर नकदी जमा होगी। इसके साथ बढ़ती भीड़ को देखते हुए टोकन व्यवस्था शुरू की गई है। टोकन के अनुसार शहरवासी अपना प्रॉपर्टी टैक्स आसानी से जमा करवा सकेंगे। इसके साथ ही एक काउंटर पर बिल निकालने की सुविधा होगी और एक काउंटर सीनियर सिटीजन के लिए है। मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स से सम्बन्धित कार्यों कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके है। मेयर बताया कि इसके साथ-साथ नगर निगम के हर प्रकार के कार्यों को तीव्रता से किया जा रहा है। मेयर प्रवीण पोपली ने शहरवासियों से अपील की है कि शहरवासी समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाकर सरकार द्वारा दी गई छूट का लाभ उठाए।

डीसी ने पंचायती खाल की जांच कर अधिकारियों को समाधान के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उपायुक्त अनीश यादव ने सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनी। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों द्वारा परिवार पहचान पत्र, पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड, भूमि पंजीकरण, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा से संबंधित विषयों पर उपायुक्त के समक्ष अपनी शिकायते रखीं। समाधान शिविर में गांव सदलपुर निवासी महेंद्र सिंह की उनकी पंचायती खाल को ठीक करवाने की मांग पर उपायुक्त ने आदमपुर के सिंचाई विभाग को मामले की जांच कर समाधान करने के निर्देश दिए। आजाद नगर निवासी दलीप सिंह बिश्नोई द्वारा घर के आगे रैंप हटवाने की शिकायत पर उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गांव फरीदपुर निवासी सुनील कुमार द्वारा गांव में एक पंचायती जमीन पर अवैध कब्जा हटवाने की मांग पर उपायुक्त ने पब्लिक हेल्थ के एसई को मामले की गहनता से जांच कर समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाऋद्घा, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, नगराधीश हरिराम, जिला परिषद सीईओ हरबीर सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र कुमार, नगर निगम के एएमसी प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फसल बीमा योजना के अंतर्गत 31 तक करा सकते हैं बीमा : एसडीएम

हांसी। एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के अंतर्गत फसल बीमा प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, मक्का और कपास इत्यादि फसल को बीमित फसलों की श्रेणी में रखा गया है। खरीफ 2025 में प्रदेश सरकार द्वारा फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। जिन को खरीफ 2025 में अपनी फसलों का बीमा करवाना है, वे सभी किसान 31 जुलाई 2025 तक संबंधित दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नवीनतम भूमि रिकॉर्ड, जमाबंदी प्रमाणित बुवाई पत्र और मेरी फसल मेरा ब्यौरा के साथ संबंधित बैंक या सीएससी केंद्र के माध्यम से अपना फसली बीमा करवा सकते हैं।

अनुराग ने हाय रॉक्स प्रतियोगिता में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार रोडीज़ साइकलिंग क्लब के सक्रिय सदस्य और सातरोड़ निवासी अनुराग जाखड़ ने नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हाय रॉक्स इंडिया भार सहित दौड़ प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा का नाम रोशन किया। इस बेहद चुनौतीपूर्ण और कठिन प्रतियोगिता में उनके साथ गांव खोरड़ा (जिला झज्जर) के प्रदीप शर्मा ने भी भाग लिया और दोनों ने मिलकर राज्य की खेल प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत पहचान दिलाई।

प्रतियोगिता में कुल आठ किलोमीटर की दौड़ के साथ हर एक किलोमीटर के बाद एक विशेष फिटनेस गतिविधि करवाई गई थी, जिसमें कुल 8 विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं। यह पूरी प्रतियोगिता शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक मजबूती और फिटनेस की चरम परीक्षा थी।

इस प्रतियोगिता में 30 देशों के लगभग 2700 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इतने बड़े मंच पर 30 से 34 वर्ष आयु वर्ग में भाग लेते हुए दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय व्यक्तिगत श्रेणी में 8वां स्थान और समस्त आयु वर्गों में 19वां स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर हिसार रोडीज़ क्लब के डॉ. अरुण अग्रवाल ने बताया कि क्लब को अनुराग जाखड़ की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अत्यधिक गर्व है।

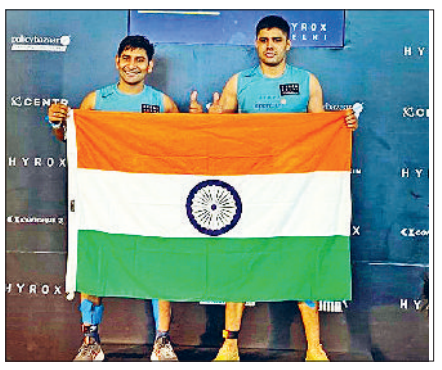

हिसार। हाय रॉक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अनुराग जाखड़।

दिव्यांग केंद्र में हर शुक्रवार को होंगे निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन

हिसार। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में हर शुक्रवार को आंखों के सफेद मोतियाबिंद के नेत्र ऑपरेशन निशुल्क किए जाएंगे। इसके लिए किसी भी कार्य दिवस में बस स्टेंड के पास ऋषि नगर में स्थापित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में निशुल्क पंजीकरण करवाया जा सकता है। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि दिव्यांग केंद्र द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगाए जाने वाले निशुल्क नेत्र जांच शिविर में मिलने वाले आंखों के सफेद मोतियाबिंद के मरीज भी इस शिविर का लाभ उठा पाएंगे। इसके साथ ही दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम अंग भी निशुल्क उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

पारस हत्याकांड मामले में सीएम से मिला समाज का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के कैंप चौक के पास स्थित होटल के मैनेजर पारस हत्याकांड मामले में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल की ओर से सुभाष ढींगड़ा ने मुख्यमंत्री को पूरे मामले से अवगत करवाते हुए उनसे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने व परिवार के सदस्य को रोजगार, आर्थिक सहायता व आवास की सरकारी मदद देने के लिए मांग पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पारस कुकड़ेजा हत्याकांड पर दुख जताते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की व हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। समाज की ओर से प्रतिनिधिमंडल में शामिल मनोहर मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष ढींगड़ा, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी सहकारिता प्रकोष्ठ हरीश चौधरी, निगम पार्षद राजेश अरोड़ा, कमल हांडा, सुभाष कुकडेजा, दर्शन खुराना, जितेंद्र भारती, डॉ. संजय मुंजाल, वीएल शर्मा व सुरेन्द्र बजाज ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

पारस कुकड़ेजा मामले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करते हुए पंजाबी समाज का प्रतिनिधिमंडल।

गुजवि में ऑनलाइन प्रोग्राम्स के संचालन की यूजीसी से मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) को अब एमए हिंदी, एमए इंग्लिश और एमएससी मैथमेटिक्स जैसे नए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के संचालन की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि पर संकाय, विद्यार्थियों और समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि गुजविप्रौवि गुणवत्तापूर्ण, नवीनतम एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इन पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ने जुलाई-अगस्त 2025-2026 सत्र के लिए आवेदन किया था, जिसे यूजीसी द्वारा मंजूरी प्रदान कर दी गई है। गुजविप्रौवि द्वारा संचालित यह सेंटर यूजीसी द्वारा निर्धारित सभी मापदंडों पर खरा उतरा है। विश्वविद्यालय का यह सेंटर पहले से ही बी कॉम, एमबीए, एमए (मास कम्युनिकेशन), एमकॉम और एमसीए ऑनलाइन प्रोग्राम्स सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है और 32 ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स व तीन डिप्लोमा कार्यक्रम भी ऑनलाइन संचालित किए जा रहे हैं। सेंटर के निदेशक प्रो. खुजान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया 2025-26 जुलाई-अगस्त सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया चल रही हैं। यह दाखिला प्रक्रिया बिना विलंब शुल्क के 31 अगस्त तक चलेगी।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है सीसवाल का शिव मंदिर

आदमपुर के सीसवाल धाम में हजारों साल पुराना चार फीट ऊंचा शिवलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

हमारे देश में ऐसे शिवालय भी है, जिनके पीछे कई रहस्य छिपे हैं। आदमपुर के गांव सीसवाल में ऐसा ही एक शिव मंदिर है जिसका इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। करीब 750 वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक सीसवाल धाम अब जल्द ही गुजरात के कोटेश्वर महादेव मंदिर के स्वरूप में नजर आएगा। पिछले करीब चार साल से करोड़ों रुपये की लागत से शिव मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जीर्णोद्धार के बाद यह मंदिर देशभर के लिए आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र स्थापित होगा। श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र सीसवाल धाम महाभारत काल में पांडवों द्वारा स्थापित प्राचीन ऐतिहासिक शिव मंदिर है जो समाज के लिए एक धरोहर है। मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ ही आसपास की जगह का भी सौंदर्यीकरण करवाया जाएगा। मंदिर की भूमि पर धर्मशाला, गर्भगृह, सभाकक्ष, यज्ञशाला, पार्क आदि बनाए जाएंगे। कमेटी का प्रयास है कि जल्द ही मंदिर नए स्वरूप में नजर आए। मंदिर कमेटी के प्रधान घीसाराम जैन ने बताया कि जीर्णोद्धार के लिए अयोध्या राम मंदिर के आर्किटेक्ट व कारीगरों द्वारा नक्शा तैयार किया गया है। जीर्णोद्धार के बाद मंदिर परिसर का स्वरूप बदल जाएगा। शिव मंदिर के अलावा अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को भी मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा सुंदर-सुंदर झांकियां भी सजाई जाएगी। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए घुमावदार बेरीकेट्स लगाए जाएंगे ताकि मंदिर परिसर में कितनी भी भीड़ होने पर श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे।

आदमपुर। गांव सीसवाल का सबसे प्राचीन शिव मंदिर व शिव मंदिर में करीब चार फुट लंबा शिवलिंग।

पांडवों ने स्थापित किया था शिवलिंग

प्राचीन ऐतिहासिक शिव मंदिर में शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने महाभारत काल के दौरान की थी। मंदिर का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व इस तथ्य से साफ हो जाता है कि पुरातत्व विभाग के पास इस मंदिर का पिछले करीब 750 सालों का रिकार्ड उपलब्ध है। बताया जाता है कि इससे पूर्व का रिकार्ड स्वतंत्रता आंदोलन में जल गया था। हिसार से उत्तर-पश्चिम दिशा में सिंधु घाटी की सभ्यता व मोहन जोदड़ो-हड़प्पा कालीन सभ्यता की समकालीन प्राचीन सीसवालिय सभ्यता वर्तमान गांव सीसवाल की जगह पनपी। सीसवालिय सभ्यता के कारण इस गांव का नाम सीसवाल पड़ा जो सरस्वती नदी की सहायक नदी दृश्दवंती के किनारे बसा हुआ था। भारतीय पुरातत्व विभाग की खुदाई से इस सभ्यता का पता चला। प्रसिद्ध इतिहासकार डा.केसी यादव के शोध पत्रों में इसका विस्तृत विवरण मिलता है। भिवानी के पास नौरंगाबाद में सैन्धव सभ्यता पनपी। सीसवालिय लोगों की संपन्नता को देखते हुए सैंधवों ने सीसवालिय लोगों पर आक्रमण कर दिया।

देश के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है सीसवाल धाम : जैन

मंदिर कमेटी के प्रधान घीसाराम जैन का दावा है कि यह देश के सबसे प्राचीन चार मंदिरों में से एक है। अपने दावे का आधार वे केंद्रीय पुरातत्व विभाग से मिली सूचना को बताते हैं। यह सूचना मंदिर की प्राचीनता व ऐतिहासिकता से जुड़ी बताई गई है। शिवलिंग की लंबाई करीब चार फीट है और अंदर भी इतनी ही होने का अनुमान है। ऐसे प्राकृतिक एवं असाधारण शिवलिंग कम ही देखने को मिलते हैं। मेला संयोजक राकेश शर्मा ने बताया कि सीसवाल का यह शिवालय अपनी कई विशेषताओं और अद्भूत वातावरण के चलते देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 जुलाई 2025

सहेली

हरियाली तीज स्त्रीत्व का उत्सव

सावन के महीने में मनाए जाने वाले हरियाली तीज पर्व का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व तो है ही, इसे स्त्रीत्व का उत्सव भी माना जाता है। इससे जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिवार और रिश्तों की मंगलकामनाएं भी निहित होती हैं। इसीलिए आज के दौर में भी इस पर्व की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।

पर्व
यशोधरा भटनागर

हरियाली तीज आते ही बीती यादें आंखों के सामने नाचने लगती हैं। कितने दिन पहले से मां तीज की तैयारी में लग जाती थीं। मनिहारिन काकी चूड़ी, टिकुली, मेहंदी, महावर का टोकरा सिर पर रखे आंगन में जम जातीं। दादी, चाची, हम सब उनके आस-पास बैठ जाते। हमारी आंखें काकी के टोकरे को स्कैन कर लेने में कोई कसर नहीं छोड़तीं। सावन के सेहरों संग उत्सव के हरे, लाल, पीले खुशियों के रंग चारों ओर बिखर जाते। दादी बताती थीं कि सावन का महीना शिव पूजा का पवित्र माह है। शिव जी के प्रिय श्रावण मास में सबसे ज्यादा वर्षा होती है। अधिक वर्षा शिवजी के विष से गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करती है। भारतीय लोकजीवन में सावन प्रेम, सौंदर्य और श्रद्धा का माह है। इस माह में आया हरियाली तीज का पर्व, भारतीय स्त्री के जीवन, उसकी संवेदनाएं और उसके संकल्पों का सुंदर भावनात्मक प्रस्तुतीकरण है।

तीज का मूलार्थ और स्वरूप

'तीज' शब्द संस्कृत के 'तृतीया' से लिया गया है, जिसका अर्थ है हिंदू पंचांग की शुक्ल या कृष्ण पक्ष की तीसरी तिथि। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को 'श्रावण तीज' या 'हरियाली तीज' कहा जाता है। मुख्य रूप से यह पर्व उत्तर भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मान्यता है, देवी पार्वती ने शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। देवी पार्वती ने सावन में मृतिका से शिवलिंग का निर्माण करके भक्ति भाव से शिवजी का पूजन किया और तपस्या में लीन हो गईं। उनकी तपस्या से अंत में प्रसन्न होकर हरियाली तीज पर भगवान शिव प्रकट हुए और देवी पार्वती को वरदान दिया कि तुम मेरी अर्धांगिनी बनोगी। इस प्रकार भोलेनाथ सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को विवाह के लिए तैयार हुए थे। इसीलिए हर साल हरियाली तीज के दिन कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर के लिए और विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती हैं।

तीज का सामजिक-सांस्कृतिक और भावनात्मक पक्ष

सावन की तीज नारी जीवन के उस पहलू को सजीव करती है, जहां वह एक उपासिका, एक सृजनशील शक्ति और एक भावनात्मक केंद्र बन जाती है। विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए व्रत रखती हैं। यह उपवास केवल दैविक आस्था नहीं, बल्कि एक मानसिक और आत्मिक शक्ति का प्रदर्शन भी है। मायके और ससुराल के बीच भावनाओं का पुल बनती है तीज। विवाहित बेटियों को मायके बुलाया जाता है। गोटा लगी हरी-लाल लहरिया लहराती साड़ी में सजी बहू-बेटियों के हाथों में मेहंदी, कलाई में चूड़ियां, पांवों में महावर, बिछिए, पायल के स्वर पूरे माहौल को झंकृत करते आशीष देते हैं। गीतों, हंसी, झूलों और श्रृंगार से सजी यह बेला उन्हें अपने स्त्रीत्व का उत्सव मनाने का अवसर देती है। तीज जैसे पर्व भारतीय स्त्री को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त करते हैं। सहेलियों, बहनों, पड़ोसियों के साथ त्योहार मनाने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

व्रत, पूजा और अनुष्ठान

तीज के दिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सुंदर-स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। व्रत रखती हैं और दिनभर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की कथा से उन्हें प्रेम, समर्पण और आत्मबल का आदर्श मिलता है। सौभाग्यवती स्त्रियां सोलह श्रृंगार, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदिया, पायल, साड़ी आदि में सजकर देवी पार्वती की भांति स्वयं को नववधू के रूप में अलंकृत करती हैं। तीज के पारंपरिक लोकगीतों के साथ यह व्रत संपन्न होता है।

झूले, गीत और नारी की अभिव्यक्ति

सावन और तीज के गीत भारतीय स्त्रियों की भावनाओं, पीड़ा, प्रतीक्षा, प्रेम और सामाजिक स्थिति के स्वरों को पिरोते हैं। 'कजरियां', 'सावन के झूले', 'मायके बुलावे' जैसे गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि स्त्री के भीतर छिपे भावलोक की सुंदर झलक भी हैं।

आधुनिक संदर्भ में तीज

समय के साथ तीज का स्वरूप बदला है, पर इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आज की नारी भी इस पर्व को केवल रीति नहीं, एक उत्सव के रूप में मनाती है, जहां वह अपने अस्तित्व, विश्वास और संबंधों को फिर से सजीव कर आनंदित होती है। सावन की तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय स्त्री के आंतरिक सौंदर्य, उसकी सहनशीलता, उसकी आस्था और उसके आत्मबल का प्रतीक है। यह पर्व उसे अपनी जड़ों से जोड़ता है, प्रकृति के साथ उसका संवाद कराता है। हरियाली तीज नारी का उत्सव है। उत्सव है भावों का, विश्वास का और उसकी अपनी पहचान का।

हाथों पर रचवाएं आकर्षक मेहंदी

हरियाली तीज पर आप ट्रेडिशनल ड्रेसअप, मेकअप और ज्वेलरी कैरी करने के साथ हाथों पर मेहंदी भी जरूर लगवाएंगी। हम आपको यहां बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी डिजाइन इन दिनों ट्रेंड हैं, जिन्हें आप रचवा सकती हैं।

श्रंगार
निधि गोयल

तीज का त्यौहार विवाहित महिलाओं के लिए बहुत मायने रखता है। ऐसे में महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। सोलह श्रंगार को पूरा करती है हाथों में रची प्यारी-प्यारी मेहंदी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी के डिजाइन आप अपने हाथों में लगाकर इस तीज पर डिफरेंट नजर आ सकती हैं। इनमें से कुछ मेहंदी डिजाइंस पर एक नजर।

भरवा मेहंदी डिजाइन

तीज जैसे मौके पर भरे-भरे डिजाइन वाली मेहंदी पसंद की जाती हैं। इनके अलावा जालीदार, फूल पत्तियों के डिजाइन काफी पसंद किए जाते हैं। साथ ही इनमें फूलों के डिजाइन भी काफी सुंदर लगते हैं। जब आप इस तरह की मेहंदी लगवाती हैं, तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

अरेबियन मेहंदी के डिजाइन अधिकतर महिलाओं को पसंद आते हैं। इनमें आजकल कई तरह के डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं। इस डिजाइन से आपके हाथों को बेहद सुंदर लुक मिलता है। अरेबिक मेहंदी डिजाइन में हाथों में भरकर मेहंदी नहीं लगाई जाती है। बल्कि इसमें बेल टाइप मेहंदी डिजाइन ज्यादा पसंद की जाती है। साथ ही आपकी लगी हुई मेहंदी हैवी भी नजर आती है। इनमें बहुत सारे डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं, इनमें से आप कुछ अलग हट कर डिजाइन अपने हाथों पर लगवा सकती हैं।

इस डिजाइन में हथेली को पूरी तरह भर कर बनाया जाता है। यह डिजाइन बहुत खिलता हुआ नजर आता है।

पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइंस

आजकल इस तरह की मेहंदी डिजाइन भी काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। इसमें अपने किसी खास व्यक्ति की मुखाकृति को बनाया जाता है। शादी और तीज जैसे त्यौहारों पर तो खासकर इस मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। खासकर ब्राइडल के हाथों पर इन मेहंदी को

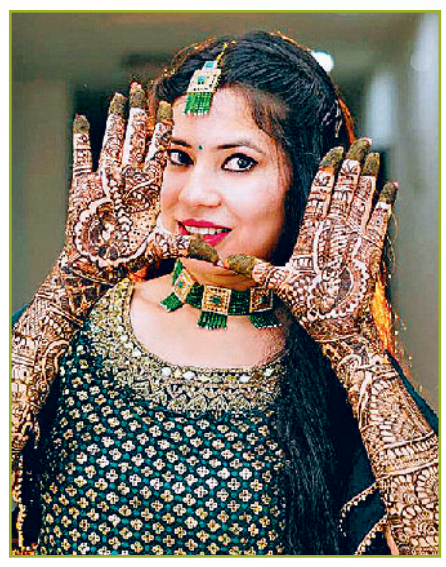

आपने लगा देखा होगा। इसमें दूल्हा और दुल्हन की आकृति को हाथों पर बनाया जाता है। जिससे ब्राइडल के हाथ बेहद सुंदर नजर आते हैं। तीज जैसे त्यौहारों पर भी इस मेहंदी डिजाइन का काफी क्रेज देखा जा रहा है।

टैटू मेहंदी डिजाइंस

अगर आपके पास कम समय है और आप कुछ घंटे बैठकर मेहंदी कहीं लगवा नहीं पाती हैं तो ऐसे में टैटू मेहंदी लगा सकती हैं। इसके लिए बाजार में मिलने वाले मेहंदी के टैटू आप स्वयं लेकर आसानी से हाथों पर लगा सकती हैं। टैटू मेहंदी में आप काफी सारे डिजाइन, जो काफी ट्रेंडी और यूनिक हैं, उन्हें खरीद के इस तीज पर अपने हाथों पर लगा सकती हैं।

ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस

त्यौहारों पर यह मेहंदी डिजाइन भी बेहद सुंदर नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी के डिजाइन इस तरह के लगाए जाते हैं कि आपके हाथों पर लगाई गई मेहंदी गहनों की तरह नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस आमतौर पर पूरे हाथ, बाजू और पैरों को कवर करते हैं और बहुत विस्तृत और कलात्मक होते हैं। इन्हें अगर सफाई से नहीं लगवाया जाए तो फिर ज्यादा सुंदर नहीं लगते हैं। ऐसे में मेहंदी लगाने वाले का एक्सपर्ट होना जरूरी है।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

छोटे बच्चे अपने पापा-मम्मी के पास ज्यादा से ज्यादा रहना चाहते हैं। पैरेंट्स भी यही चाहते हैं। सवाल यह है कि बच्चे रात में अकेले सोएं या अपने पापा-मम्मी के साथ? इस बारे में आपके लिए जरूरी सलाह।

बच्चों को अपने साथ सुलाना कितना सही-कितना गलत

हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के कई और देशों में भी बच्चों को काफी उम्र तक माता-पिता अपने साथ सुलाते हैं। उनका मानना होता है कि इससे बच्चों की माता-पिता के साथ बॉन्डिंग ज्यादा गहरी होती है। बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। पैरेंट्स भी उनकी सुरक्षा के विषय में सुनिश्चित रहते हैं। कई माता-पिता अपने बेडरूम में ही बच्चों को एक ही पलंग पर सुलाते हैं, तो कई अपने बेड पर न सुलाकर उन्हें उनके लिए अलग बेड की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों में इसके विपरीत बच्चों को शुरू से ही अलग सुलाया जाता है, जिसमें सबसे बड़ी वजह बच्चों को बेहतर नींद आए और माता-पिता की प्राइवेसी में कोई खलल न पड़े।

साथ सुलाने के फायदेः बच्चों को साथ सुलाने के कई फायदे होते हैं। इससे उनको भावनात्मक सुरक्षा तो मिलती ही है, जब वो साथ सोते हैं तो कम रोते हैं और कम तनावग्रस्त होते हैं। उनका शारीरिक विकास भी बेहतर होता है, क्योंकि अलग सोने वाले बच्चों की तुलना में वे खुश रहते हैं, उनकी कम तनाव होने और स्वस्थ रहने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। माता-पिता जब बच्चों को अपने साथ सुलाते हैं तो चूंकि वे उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होते हैं, उन्हें भी अच्छी नींद आती है। बच्चों के साथ उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। एक-दूसरे के करीब होने के कारण वे एक-दूसरे की शारीरिक और मानसिक जरूरतों को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। साथ में सुलाने से बच्चों की देखभाल करना, उनकी किसी भी तरह की जरूरत को समझना उनके लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।

बच्चों को अलग कब सुलाएंः इस विषय में कोई सटीक जवाब नहीं मिलता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को छह महीने के बाद अलग सुलाना चाहिए। जबकि कुछ का मानना है कि बच्चे जब दो या तीन साल के हो जाते हैं तो पैरेंट्स को अपनी प्राइवेसी मेंटेन करने के लिए उन्हें अपने से अलग सुलाना चाहिए। कुछ बालरोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ लंबे समय तक बेड शेयरिंग नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर बच्चे जब छोटे हों। क्योंकि नींद में बच्चों की स्थिति का पता नहीं चलता। ऐसे में यदि माता-पिता को कोई संक्रामक रोग है तो इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है।

कुछ और जरूरी सुझावः यदि बच्चा प्री-मैच्योर है तो उसे मां को अपने साथ सुलाना चाहिए। बच्चे को एक ही बिस्तर पर सुलाने से जगह कम होने के कारण उनके गिरने की भी आशंका रहती है।

- यदि बच्चे को लंबे समय तक अपने साथ सुलाया जाए तो एक समय के बाद उसे अकेले सोने में डर लगता है। बाद में उनकी आदत बदलना कठिन होता है।
- अगर आप भी अपने बच्चों को अपने साथ सुलाती हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर कितना लंबा चौड़ा है। अगर इसमें पर्याप्त स्थान नहीं है तो बच्चे के गिरने या दबने की भी आशंका रहती है।
- अगर बच्चे का माता-पिता के साथ ज्यादा भावनात्मक जुड़ाव हो तो उसे धीरे-धीरे अपने से अलग सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सुलाने में माता-पिता की ही नहीं बच्चे की नींद भी बाधित होती है।
- बच्चा अगर बहुत छोटा नहीं है तो उसके लिए अपने ही कमरे में अलग बेड की व्यवस्था करें। धीरे-धीरे उसे अलग कमरे में सुलाएं, लेकिन उसका कमरा आपके बेडरूम से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। ताकि रात के समय जब उसे आपकी जरूरत हो तो आप उसके लिए तुरंत वहां हाजिर हो सकें।

मेंटल हेल्थ
अंजू जैन

क्या आप हमेशा सोचती हैं नेगेटिव

कुछ लोगों का मन हमेशा उदासी में डूबा रहता है। उन्हें लगता है, कोई उनको पसंद नहीं करता। अपने आपको हर काम में असक्षम मान लेते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप नेगेटिवटी से घिरी हुई हैं, मानसिक रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। इससे जल्द से जल्द उबरिए। सबसे पहले अपने आपको पहचानें कि क्या आप मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, फिर अपनी सोच बदलने का प्रयास करें।

मुझे कोई चाहता नहींः 'मेरी किसी को परवाह नहीं।', 'हर कोई खुद में ही मस्त है, मुझे कोई नहीं चाहता।' अगर अकेले में आप ऐसा बार-बार सोचती हैं तो समझ लें कि आपका दिमाग वास्तविकता की बजाय भावनाओं में बह रहा है, बहका हुआ है। ऐसे में कई बार आप अचानक अपराधबोध की शिकार हो जाती हैं, सोचती हैं कि मैंने कुछ गलत किया है।

क्या करेंः 'द हैप्पीनेस ट्रैप' पुस्तक में मनोविज्ञानी रस हैरिस ने लिखा है कि इस स्थिति में आपको अपनी अनुभूतियों को कंट्रोल में लाना होगा, सच्चे मन से वास्तविकता को पहचानना होगा। 'मैं अकेली हूं, मुझे कोई नहीं चाहता।' ऐसा कुछ सोचना, अस्थाई मानसिक स्थिति के इमोशंस हैं। इन्हें आपको हवा में उड़ाना सीख लेना चाहिए। अपने इमोशंस को कंट्रोल सकती हैं।

कोशिश करना बेकार हैः आपको अपनी पसंदीदा जॉब की वैकेंसी की खबर मिलती है। आप पल भर के लिए उत्साहित होती हैं। लेकिन अगले ही पल आपका मन बुझ जाता है, आप अपनी क्वालिफिकेशन से ज्यादा अपनी कमियां गिनने लगती हैं। फिर सोचती हैं कि मुझे यह जॉब नहीं मिलेगी।

क्या करेंः यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस एंड साइको-फिजियोलॉजिकल लैब में डायरेक्टर बारबरा फ्रेड्रिक्शन कहती हैं, 'हमारी ज्यादातर नेगेटिविटी मेंटल टाइम ट्रैवल से आती है। नेगेटिविटी से उबरने के लिए आप धीरे-धीरे अपनी पॉजिटिव बातों पर फोकस करिए। एक-एक कर आपको अपनी क्षमताओं का अनुभव होने लगेगा, उसी वक्त संकल्प लें कि आपको पूरी ऊर्जा के साथ यह काम करना है। हर शाम दिनभर की अच्छी बातें, घटनाएं और उपलब्धियां लिखें और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करें। मेडिटेशन करें। आपको निराशा से उबरने में मदद मिलेगी।'

हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार माननाः कई बार आप अपने आस-पास होने वाली हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानने लगती हैं। कोई किसी मीटिंग या किसी पार्टी में आपके जाते ही निकल जाता है तो आपको लगता है कि वह आपके व्यवहार से नाराज है।

क्या करेंः सबसे पहले आपको इस बात पर विश्वास करना होगा कि दुनिया में या आपके इर्द-गिर्द हो रही हर बात के लिए आप जिम्मेदार नहीं हैं। मनोचिकित्सक और 'यू आर नॉट युअर ब्रेन' की लेखिका रेबेका ग्लेडिंग कहती हैं, 'आपको स्वीकार कर लेना चाहिए कि दूसरों के मूड पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे उबरने में मदद मिलेगी।'

फिटनेस
शिखर चंद जैन

घरेलू कामों से भी होती है एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हमेशा जरूरी नहीं कि जिम में जाकर वर्कआउट ही करें। आप बहुत से घरेलू काम करते हुए भी एक्सरसाइज के फायदे उठा सकती हैं, अपनी फिटनेस मेंटेन कर सकती हैं। इस बारे में जानिए।

रवीना अपने बढ़ते वजन और कमर के बढ़ते घेरे से परेशान थी। मोटापे के कारण न सिर्फ उसका शरीर बेडौल होने लगा बल्कि उसे गैस और अपच जैसी समस्याएं भी सताने लगीं। फैमिली डॉक्टर उसे कई बार सुबह-शाम वर्कआउट करने के लिए या जिम ज्वाइन करने के लिए कह चुके थे। लेकिन रवीना को वक्त ही नहीं मिलता था। सुबह बेटे-बेटी को स्कूल भेजती, फिर पति के साथ ब्रेकफास्ट करती। ग्यारह बजे हाउसमेड आ जाती, उससे लंच बनवाने, कपड़े धुलवाने, बर्तन मंजवाने और पूरे घर की साफ-सफाई करवाने में एक बज जाता। उसके जाने पर वह खाना खाती, टीवी देखती और दो घंटे सो जाती। शाम को सोसायटी की कुछ महिलाएं आ जातीं, उनसे गप-शप करने में 6 बज जाते, फिर डिनर की तैयारी करती। इस तरह न तो उसे जिम जाने की फुर्सत मिलती और न वर्कआउट करने की। एक दिन उसने अपनी सहेली शैलजा से अपनी समस्या बताई और पूछा, 'तू भी तो जिम नहीं जाती फिर कैसे फिट दिखती है?' इस पर शैलजा बोली, 'घर की साफ-सफाई से लेकर बर्तन, कपड़े धोने, गार्डनिंग और खाना बनाने तक का काम मैं ही करती हूं। यही तो है मेरी फिटनेस और हेल्दी रहने का राज। तुझे पता है, घर के काम-काज करने का फायदा भी जिम जाने जितना ही मिलता है।' शैलजा ने बिल्कुल ठीक कहा।

क्या कहती हैं स्टडीजः हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे में कहा गया है कि घरेलू काम-काज का फायदा जिम जाने या रोजाना वर्कआउट जितना ही मिलता है। पोछा लगाने, घर साफ करने, बागवानी करने और बाजार से साग-सब्जी या घरेलू सामान लाने से भी काफी कैलोरी बर्न होती है, क्योंकि इन कामों में फिजिकल मूवमेंट्स भी काफी होती हैं। आप वर्किंग वूमेन हों या होममेकर, अगर वर्कआउट के लिए समय नहीं निकाल पातीं, तो अपनी दिनचर्या में से वो पल या काम ढूंढ़ लें, जिससे आप फिजिकल मूवमेंट्स में इंवॉल्व रह सकती हैं। आपको किसी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर वर्कआउट कर सकती हैं।

ये भी हैं तरीकेः एक्सरसाइज का टाइम नहीं मिलता तो फिजिकल एक्टिविटी के लिए घर से ऑफिस जाते समय बस से एक स्टॉपेज पहले उतर कर पैदल जा सकती हैं। इसी प्रकार आते समय भी घर से एक स्टॉपेज पहले उतर सकती हैं। चौथी मंजिल पर स्थित ऑफिस और तीसरी मंजिल पर मौजूद फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को यूज कर सकती हैं। इसी प्रकार बागवानी करने से भी तन और मन दोनों फिट रहते हैं। बागवानी के लिए काफी चलना-फिरना पड़ता है, हाथों की मूवमेंट्स करनी पड़ती है। इससे भी एक्सरसाइज होती है।

इस बात का रखें ध्यानः अगर किसी को फ्रोजन शोल्डर या टेनिस एल्बो की परेशानी नहीं है, तो उसके लिए स्वीमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। इससे कंधों और भुजाओं की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। साथ ही कोर मसल्स को मजबूती भी मिलती है। बैठकर पोंछा लगाना भी एक अच्छी एक्सरसाइज है, जिन्हें घुटनों में तकलीफ हो उन्हें खड़े-खड़े पोंछा लगाना चाहिए।

(फिटनेस ट्रेनर चिन्मय राय से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

डाइट मात्रशाम में इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम में जिला के सभी नव पदोन्नत विद्यालय प्राचार्यों का 7 से 21 जुलाई 2025 तक नेतृत्व विकास पर 12 दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी वेद सिंह दहिया के मार्गदर्शन में हुआ। प्रशिक्षण के समापन पर संबोधन में डाइट मात्रशाम, हिसार प्रभारी अंजू अहलावत ने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यालय प्राचार्यों को अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा।

बिजली निगम 23 को लगाएगा समाधान शिविर

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) 23 जुलाई बुधवार को सुबह 10 बजे सामुदायिक केंद्र, शिव कॉलोनी में बिजली निगम के प्रबंध निदेशक अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता में एक समाधान शिविर का आयोजन करेगा। शिविर के दौरान, एमडी गर्ग व्यक्तिगत रूप से जनता की बिजली संबंधी शिकायतें सुनेंगे और उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित करेंगे।

राम बने समस्त पंजाबी खत्री सभा के प्रदेशाध्यक्ष

हिसार। राष्ट्रीय समस्त पंजाबी खत्री सभा की बैठक प्रमुख समाजसेवी राम कामरा के आवास पर हुई। इमसें राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सर्वदानंद की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से राम कामरा को सभा का हरियाणा प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया। सुशील अरोड़ा फरीदाबाद व हरीश अरोड़ा एडवोकेट अलवर को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया और प्रवीन नागपाल गुडग़ांव को नेशनल बोर्ड का सदस्य बनाया गया। इसके साथ ही बैठक में कुछ अन्य महत्वूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें कुछ साथियों द्वारा कार्य न कर पाने व असमर्थता जताने के कारण बोर्ड में सदस्यों में बदलाव करने का अधिकार डॉ. सर्वदानंद आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया।

कैंसर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

हिसार। लायंस क्लब हिसार गौरव ने अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टिट्यूट और सर्वेश हेल्थ सिटी के साथ मिलकर कैंसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सीनियर कंसलटेंट (रेडिएशन ओन्कोलोजिस्ट) डॉ. सुमीत अग्रवाल और कंसलटेंट (मेडिकल ओन्कोलोजिस्ट) डॉ. मुकेश जांदू ने विभिन्न प्रकार के कैंसर के बारे में अवगत कराया। कार्यशाला में कैंसर की बीमारी के कारणों पर सभी के साथ विचार विमर्श किया गया और साथ ही अलग अलग प्रकार के इलाज की तकनीकों के बारे में भी लोगों को बताया गया।

राजकीय प्राथमिक पाठशाला में चलाया पौधरोपण अभियान

बरवाला। गांव देवीगढ़ पुनिया में स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के प्रांगण में पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी मनोज गुप्ता ने शिरकत की और अध्यक्षता प्राचार्य सुभाष बिश्नोई ने की। अभियान के तहत पाठशाला के प्रांगण में कई अलग-अलग तरह के फलदार, फूलदार, छायादार व औषधियुक्त पौधे लगाए गए। इस दौरान पाठशाला के विद्यार्थियों को भी पौधे वितरित किए गए।

सोशल मीडिया पर है हांसी पुलिस की पैनी नजर

हांसी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा कि आमतौर पर एक दूसरे के देखा-देखी कई युवा हथियार लेकर उसे लहराते हुए अलग-अलग पोज में फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं, जिससे समाज में बहुत गलत संदेश जाता है तथा समाज में अपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार का गैर-कानूनी कार्य करने में जिस व्यक्ति का हथियार होता है और जो फोटो अपलोड करता है वह दोनों ही दोषी होंगे। अधिकतर मामले हर्ष फायरिंग से जुड़े होते हैं जो कि गैर कानूनी है।

हर कोई श्रद्धालु अपने रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा

दूसरे सोमवार को सालासर बालाजी रुप में सजा शिवालय

भगवान शंकर का पंचमुखी बालाजी/सालासर बालाजी स्वरुप में बड़ा ही अद्भुत और भव्य श्रृंगार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में सालासर रुप में सजा शिवालय अनूठी छठा बिखेरते हुए।

नारनौंद। जींद हांसी सड़क मार्ग पर नारनौंद के पास से कावड़ लेकर गुजरते हुए कावड़िए। *फोटो : हरिभूमि*

पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को नागोरी गेट स्थित सनातन धर्म हनुमान मंदिर में बने शिवालय में अनुज शर्मा व उनके साथियों द्वारा भगवान शंकर का पंचमुखी बालाजी/सालासर बालाजी स्वरुप में बड़ा ही अद्भुत व भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त सचिव बृजभूषण जैन ने बताया कि मंदिर में विगत कई वर्षों से श्रावण माह में प्रत्येक सोमवार व शिव रात्रि के दिन शिवालय का अनूठा श्रृंगार किया जा रहा है।

आज का श्रृंगार उमा मित्तल (कोयले वाले) रेलवे रोड़ हिसार की ओर से करवाया गया। उन्होंने परिवार सहित व मंदिर के सदस्यों व अन्य भक्तों के साथ पूजा अर्चना कर बाबा भोलेनाथ की आरती उतारी। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

कंधों पर भोलेनाथ की प्रतिमा वाली कावड़ बनी आकर्षण का केंद्र

नारनौंद। भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले श्रद्धालु हरिद्वार से गंगा जल लाकर शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाते हैं। हर कोई श्रद्धालु अपनी मनोकामना को लेकर हरिद्वार से पैदल ही अपने नजदीकी शिव के मंदिर में पहुंचते हैं। लेकिन काफी युवा इस बार प्रदेश में शांति रखने के लिए कावड़ लेकर आ रहे हैं। हर कोई श्रद्धालु अपने रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा है। कोई झूल कावड़ तो कोई खड़ी कावड़ लेकर भोलेनाथ के गीतों पर झूमते हुए नजर आ रहे हैं। इस बार काफी संख्या में लड़कियां भी कावड़ लेकर आ रही हैं। भोले के भगत अनिल, कपिल, संजीत, कमलेश, अनीता ने बताया कि वह पहली बार कावड़ लेकर आ रहे हैं। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में स्नान करके मनोकामना मांगी थी कि प्रदेश में सुख शांति और भाईचारा बना रहे। इसी मनोकामना के साथ हर दिन पैदल ही अपनी मंजिल की तरफ बढ़ रहे हैं। अबकी बार युवा अलग-अलग तरीकों से कावड़ ला रहे है। कंधों पर भोलेनाथ की प्रतिमा ओर तिरंगा कावड़ काफी प्रसिद्धि पा रही है। जैसे ही शिव भगत कावड़ को लेकर सड़कों से गुजर रही है तो काफी गांव ग्रामीण उनका जो स्वागत कर रहे हैं। जगह-जगह पर ग्रामीणों ने भंडारे लगाए हुए हैं।

अल सुबह ही सावन के दूसरे सोमवार को श्याम मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सावन के दूसरे सोमवार को श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16- 17 में भक्तों की भारी भीड़ रही। सोमवार के साथ साथ एकादशी होने के कारण अल सुबह से मंदिर मे भक्तों का आगमन शुरू हो गया। जयशंकर भोले, जय श्री श्याम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने शिव परिवार का दुग्ध एवं जलाभिषेक कर परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना की एवं फल फूल अर्पित किए। मंदिर कमेटी सदस्य त्रिलोक बंसल ने बताया कि शिवरात्रि के दिन भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया जाएगा।

हिसार। श्री श्याम मंदिर में शिव परिवार की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

स्वदेशी जागरण मंच का सावन तीज महोत्सव 24 को कैंपस स्कूल में

- तीज व राखी उत्सव के रूप में मनाए जाने वाले इस महोत्सव में स्वदेशी सरोकारों का भी समावेश रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से 24 जुलाई को हकृवि स्थित कैंपस स्कूल में सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। तीज व राखी उत्सव के रूप में मनाए जाने वाले इस महोत्सव में स्वदेशी सरोकारों का भी समावेश रहेगा। 24 जुलाई को सावन महोत्सव दोपहर 3 बजे शुरू होगा और रात्रि 8 बजे तक जारी रहेगा। सावन महोत्सव की तैयारियों के संदर्भ में कैंपस स्कूल में स्वदेशी जागरण मंच की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मोना जैन, रिचा जांगड़ा, सुमन ऐरन, स्नेहलता, सुमन गोयल, सोनिया श्योदान, ममता शर्मा, कविता, परवीन कुमारी, वंशिका, अनिल गोयल, राकेश चराया, संजीव शर्मा, प्रदीप बामल, राज वर्मा, भूपेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

हिसार। सावन महोत्सव की तैयारियों के लिए बैठक करते स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा का सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हरियाणा प्रांतीय जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा की वार्षिक बैठक व सम्मान समारोह का आयोजन युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या शासन श्री साध्वी श्री भाग्यवती जी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य मे तेरापंथ भवन हांसी मे आयोजित किया गया।

हांसी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को सम्मानित करते सभा सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुई व साध्वी श्री ने प्रवचन मे तेरापंथ शासन की विशेषता व संयम मय जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन महामंत्री अमित जैन ने किया। इस अवसर पर अमित जैन महामंत्री द्वारा एक वर्ष के कार्यों की रिपोर्ट के साथ में पिछली बैठक का वाचन किया गया। कार्यक्रम में 2028 के गुरुदेव के सम्भावित चातुर्मास के बारे में चिंतन किया गया। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष मक्खन लाल गोयल द्वारा भविष्य में युवा सम्मलेन व लाडनूं के हरियाणा भवन निर्माण हेतु चिंतन, कोषाध्यक्ष संजय जैन द्वारा वर्ष भर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

मानव उत्थान सेवा समिति ने किया पौधरोपण

- एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मानव उत्थान सेवा समिति के प्रेरक सद्गुरु देव सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से पूरे भारत में एक लाख छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत पूरे देश में पौधारोपण अभियान चलाया गया है।

इसी कड़ी में ये पुनीत कार्य महात्मा गौरा बाई व महात्मा निरंजनी बाई की अध्यक्षता में संस्था से जुड़े श्रद्धालुओं के सहयोग से सेक्टर 16-17 के जय हिंद पार्क तथा साथ लगती ग्रीन बैल्ट में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वार्ड 14 की पार्षद सुमन यादव मुख्य अतिथि एवं कर्नल चतर सिंह गोयत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महात्मा गौरा बाई ने वृक्षों के संरक्षण का संकल्प करवाया व पौधारोपण के साथ-साथ उनके रख-रखाव व देखभाल के लिए भी प्रेरित किया।

हिसार। सेक्टर-16 स्थित जयहिंद पार्क में पौधारोपण के दौरान उपस्थित महात्मा गौरा बाई, महात्मा निरंजनी बाई व अन्य।

ये रहे मौजूद

पौधरोपण कार्यक्रम में कुलदीप यादव, सती राम, सूरजमल जांगड़ा, रामदेव, जमुना प्रसाद, भूपेंद्र जांगड़ा, हंसराज, विपिन, मोहित, ईशू, सुरिन्द्र कौर, अंजना गुप्ता और संतोष ने सहयोग किया।

आदमपुर मंडी में लगे गंदगी के ढेर से लोग हुए परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

टेलीफोन एक्सचेंज तथा खंड शिक्षा अधिकारी के दफ्तर के पास गंदगी के ढेर लगे हुए और यहां से उठने वाली तेज दुर्गंध के कारण लोगों को जीना दूभर हो गया है। इसके साथ यहां गली में गंदा पानी भी भरा हुआ है जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है वहीं बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

बताया जाता है कि आसपास के दुकानदार एवं घरों के लोग यहां अपना कूड़ा डाल जाते हैं, इसके चलते कूडे के ढेर लग गए है तथा नगर पालिका हटने के बाद सफाई का कार्य बंद हो गया है। लोगों ने बीडीपीओ व अधिकारियों से सफाई की समुचित व्यवस्था करवाने की मांग की है ताकि परेशानी व गंदगी से बचा जा सके।

आदमपुर। टेलीफोन एक्सचेंज के सामने लगा गंदगी का ढेर व जमा गंदा पानी।

जहां गोमाता, वहां गोपाल का वासः चंद्रकांत महाराज

आदमपुर। जहां गाय का वास है वहां स्वयं गोपाल का वास होता है। गाय का महत्व प्राचीनकाल में तो था ही, पर वर्तमान युग में वैज्ञानिकों ने भी गाय से मिलने वाली हर वस्तु की उपयोगिता को स्वीकार किया है। यह बात लखीराम धर्मशाला में रविवार को अंतिम दिन कथा वाचक चंद्रकांत महाराज ने गो कथा का रसपान करवाते हुए कही। उन्होंने कहा कि गाय पूरे विश्व की पालनहार है। इस कारण उसे गोमाता की संज्ञा दी गई है। कलयुग में गाय की सेवा करना ही सच्ची ईश्वर भक्ति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोग गोसेवा से दूर हो रहें है, इसके विपरीत नशे व धूम्रपान के आदी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कथा श्रवण करने से समाज या गायों का उद्धार नहीं होने वाला है, हमें इसका अनुसरण करने के लिए संकल्पित होने की भी आवश्यकता है।

मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस

आदमपुर। शतरंज प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल, शिव कॉलोनी में अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रणनीतिक सोच व एकाग्रता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नवदय वर्मा, समिक्षा, जिवितेश और स्वरागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बौद्धिक खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया

तर्कशील सोसायटी ने शरीर दान करने वालों को किया नमन

उकलाना। तर्कशील सोसायटी ने सोमवार को राज्य स्तरीय सेमिनार में वैज्ञानिक व तर्कशील सोसायटी की विचारधारा से प्रेरित होकर मेडिकल जांच के लिए शरीर दान करने वालों को नमन किया। संस्था ने यह निर्णय भी लिया कि मरने उपरांत शरीक के अंग व शरीर दान करने के लिए समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि मरने के बाद भी आंखों सहित अन्य अंग जरूरतमंद के काम आ सकें। तर्कशील सोसायटी के उपप्रधान फरियाद सिंह सनियाणा ने शरीर दान करने की प्रक्रिया संबधी जानकारी भी सांझा की। इस कार्यक्रम में डीएन कॉलेज हिसार से इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ महेंद्र विवेक ने सिंधु एवं हड़प्पा कालीन सभ्यता विशेषकर राखीगढ़ी व मुगलपुरा की साइट के संबंध में विस्तार से चर्चा की और इस सम्बन्ध में प्रदर्शनी भी लगाई गई।

भक्तों ने अपने इष्ट के प्रति जताई आस्था

श्याम के भजन से भावविभोर हुए श्रद्धालु

- संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

महाभारतकाल के साक्ष्यों के पोषक बीड़ बबरान धाम में श्याम बाबा का संकीर्तन धूमधाम से आयोजित किया गया। संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया। बाबा के दरबार में पहुंचकर श्रद्धालु अनायास ही नतमस्तक हो गए।

इस दौरान संकीर्तन में गायकों ने भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। तेरे बिना श्याम, हमारा नहीं कोई रे, हमारा नहीं कोई रे, सहारा नहीं कोई रे भजन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। भक्तों ने अपने इष्ट की आराधना करते हुए दरबार में अर्जी लगाई और कष्टों के निवारण की कामना की। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने श्याम बाबा की गाथाओं से परिचय करवाया।

उन्होंने कहा कि श्याम बाबा की जिस भक्त पर अनुकंपा हो जाती है, उसका बेड़ा पार हो जाता है। इसलिए बाबा की सच्चे मन से आराधना करनी चाहिए।

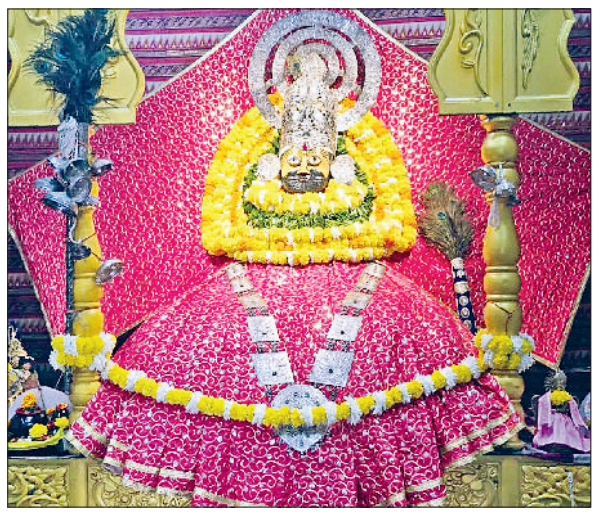

हिसार। मुख्यमंत्री के नाम मांगों का ज्ञापन सौंपते किसान नेता।

किसानों ने तहसील के समक्ष प्रदर्शन करके सौंपा सीएम के नाम ज्ञापन

आदमपुर। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की ओर से आदमपुर तहसील के समक्ष प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। प्रदर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त रूप से समिति के जिला प्रधान सतीश बैनीवाल, प्रताप बेनीवाल, ओमप्रकाश सदलपुर व कृष्ण सदलपुर ने की। इस मौके पर कृष्ण, राजेश, लेखराज, सूबे सिंह, बलराज, छोटूराम गढ़वाल, राजेन्द्र, राजरूप, धर्मवीर, सुनील, वेदपाल सहू, रामफल, सुभाष फौजी, संतलाल, चंद्रभान आदि मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला प्रधान सतीश बैनीवाल ने कहा कि प्रदेश भर के किसान मजदूर विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में हमारा संगठन अनेक बार अधिकारियों के ध्यान में समस्याएं ला चुका है परंतु अभी तक उनका कोई समाधान नहीं हुआ है।

ग्राम पंचायत-सिसाय कालीरावण ब्लॉक हांसी-I हिसार (हरियाणा) मो. नं. 99923-78110

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिसाय कालीरावण गांव में घर-घर से कूड़ा-करकट उठाने के लिए दो टैक्ट्रर की जरूरत है। गांव बड़ा होने के कारण गांव की सफाई नहीं होती है। इसलिए फर्म चाहिए जिसमें टैक्ट्रर ट्राली व डीजल व ड्राइवर फर्म का होगा। ग्राम पंचायत फर्म का खर्चा FFC स्कीम से पेमेन्ट करेगी, इच्छुक फर्म 27.07.2025 तक अपने कागज सरपंच के ऑफिस में जमा करवा सकता है।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत-सिसाय कालीरावण
ब्लॉक हांसी-I (हिसार)

खबर संक्षेप

भाविप चन्द्रशेखर आजाद शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह

हिसार। भाविप चन्द्रशेखर आजाद शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह, तीज महोत्सव एवं कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम 23 जुलाई को जहाजपुल स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में सायं 5 बजे से होगा। शाखा के अध्यक्ष रोहताश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में दायित्व ग्रहण समारोह की मुख्य अतिथि पार्षद साक्षी शर्मा, कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविन्द्र शाण्डिल्य प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी तथा तीज महोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला ब्राह्मण सभा के प्रधान रत्न लाल शर्मा होंगे। उन्होंने बताया कि पांच बजे दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा तथा दायित्व ग्रहण एवं कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम के उपरांत तीज महोत्सव आयोजित किया जाएगा जिसमें तीज क्विन, गायन, नृत्य, मेहंदी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

राजकीय विद्यालय में हुआ करियर मार्गदर्शन कैंप

हिसार। मंडल रोजगार कार्यालय हिसार द्वारा युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव पातन टोकस में एक दिवसीय व्यावसायिक मार्गदर्शन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, रोजगार के अवसरों और स्व विकास की दिशा में मार्गदर्शन देना रहा। यह जानकारी देते हुए सहायक रोजगार अधिकारी रितु जांगड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें करियर संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक, तकनीकी, व्यावसायिक व सरकारी क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों के बारे में अवगत कराया गया।

समाजसेवी सुरेश जैन के जन्म दिवस पर भंडारा

हिसार। श्रीश्याम संग परिवार के प्रधान अनिल तनेजा ने बताया कि संस्था के संस्थापक सुरेश चंद्र जैन के जन्म दिवस पर आज दोपहर पारिजात चौक के पास पूरी, सब्जी, सांवक की खीर का भंडारा चलाया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उप प्रधान धर्मेन्द्र कथूरिया व कैशियर पीयूष तनेजा ने बताया कि सर्वप्रथम समाजसेवी सुरेश चंद्र जैन व अन्य श्याम भक्तों ने पूजा अर्चना की तत्पश्चात केक काटा गया। इसके बाद भंडारा की शुरुआत की गई।

डीएफएससी अमित शेखावत के नेतृत्व में टीम जांचा पेट्रोल व डीजल

तेल में मिलावट की शिकायत पर टीम ने की पेट्रोल पंप पर जांच

किसी उपभोक्ता ने विभाग को ऑनलाइन माध्यम से शिकायत भेजकर उक्त पेट्रोल पंप पर तेल में पानी की मिलावट का आरोप लगाया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। पेट्रोल पंप पर जांच करते विभाग की टीम।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने बरवाला स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप पर निरीक्षण करके पंप पर दिए जा रहे पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता जांची। इस संबंध में किसी उपभोक्ता ने विभाग को ऑनलाइन माध्यम से शिकायत भेजकर उक्त पेट्रोल पंप पर तेल में पानी की मिलावट का आरोप लगाया था। उपभोक्ता की शिकायत की जांच के लिए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अमित शेखावत के नेतृत्व में टीम उक्त पंप पर पहुंची। उनके साथ विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पेट्रोल पंप पर पहुंचकर पंप की मशीनों से निकलने वाले तेल की गुणवत्ता की जांच की। इसके साथ ही मापक यंत्रों के जरिए तेल की मात्रा की भी जांच की गई। डीएफएससी अमित शेखावत ने बताया कि विभाग को एक उपभोक्ता की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी कि उसने पेट्रोल डलवाया था, जिसमें पानी की मिलावट थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर पेट्रोल पंप पर मौजूद मैनेजर और स्टाफ की उपस्थिति में विस्तृत जांच की।

जांच के दौरान पंप पर लगे नोजल से निकाले गए तेल के नमूनों की जांच की गई। साथ ही अंडरग्राउंड टैंक में रखे तेल में भी किसी तरह की मिलावट की संभावना को परखा गया। हालांकि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई और सब कुछ सामान्य पाया गया।

सैनिक स्कूल खारा खेड़ी बना ओवरऑल चैंपियन

- ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। जीत की खुशी मनाते सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य।

ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स 'ग्रुप ए' का भव्य आयोजन सैनिक स्कूल कपूरथला में किया गया। इसमें सात सैनिक स्कूलों ने हिस्सा लिया जिनमें चार पुराने सैनिक स्कूल (कुंजपुरा, कपूरथला, नगरोटा एवं सुजानपुर टीरा) और तीन नए सैनिक स्कूल (खारा खेड़ी, नाभा एवं नालागढ़) शामिल थे।

इन खेलों में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के जूनियर एवं सब जूनियर लड़के एवं लड़कियों के मुकाबले हुए। इनके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को अपने स्कूल की तरफ से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करना था जिसके लिए एक अलग ट्रॉफी की व्यवस्था की गई थी। इन खेलों में कुल 7 प्रतियोगिताओं की चैंपियनशिप थी जिसमें से सैनिक स्कूल खारा खेड़ी ने 6 प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करके जीत हासिल की। सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के कैडेट्स ने एथलेटिक्स गर्ल्स, एथलेटिक्स बॉयज, वॉलीबॉल बॉयज, बास्केटबॉल गर्ल्स, सांस्कृतिक एवं ओवरऑल चैंपियनशिप की कुल 6 ट्रॉफियों पर कब्जा किया।

एथलेटिक्स में कुल 18 इवेंट्स हुए, जिनमें से सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के कैडेट्स ने 17 इवेंट्स में पदक जीते। इन 17 पदकों में 10 स्वर्ण, 04 रजत एवं 03 कांस्य पदक शामिल है। स्कूल कैडेट सत्यप्रिया को सब जूनियर गर्ल्स में सर्वश्रेष्ठ धावक, कैडेट वंदना को जूनियर गर्ल्स में सर्वश्रेष्ठ धावक, कैडेट केशव रोशन को सब जूनियर बॉयज में सर्वश्रेष्ठ धावक, कैडेट अतुल को बेस्ट वालीबॉल खिलाड़ी और कैडेट वंदना को बेस्ट बास्केटबॉल खिलाड़ी के खिताब से नवाजा गया। स्कूल पहुंचने पर खिलाड़ियों का फूल मालाएं पहनाकर और फूलों की वर्षा करके जोरदार स्वागत किया गया।

सामाजिक उत्थान के प्रयासों के बारे में दी जानकारी

हिसार। सत्य नगर स्थित सेवा भारती माध्यमिक विद्यालय में 'सेवा दर्शन' कार्यक्रम की जानकारी देते पदाधिकारी।

हिसार। सेवा भारती द्वारा सोमवार को सत्य नगर स्थित सेवा भारती माध्यमिक विद्यालय में 'सेवा दर्शन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवा भारती द्वारा हिसार में समाज के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न प्रयासों और योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए सेवा भारती के पदाधिकारियों ने संगठन के सेवा कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भीम सैन बंसल, जिला सचिव अम्बिका प्रसाद, नगर अध्यक्ष हिसार डा.सुदर्शन लाल सोनी ने बताया कि सेवा भारती का मुख्य उद्देश्य समाज की सभी जातियों में समानता व समरसता का भाव स्थापित करना व प्रत्येक पिछड़े का सामाजिक उत्थान व जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि हिसार की 22 बस्तियों में 17 सेवा कार्यों के जरिए समाज सुधार की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा फिर न्यायिक हिरासत में

हिसार। अदालत ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार की गई न्यू अग्रसेन कॉलोनी निवासी यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को फिर से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सोमवार को ज्योति की 7वीं बार पेशी हुई। पेशी के दौरान सुनवाई करते हुए अदालत ने उसे फिर से न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई अब 4 अगस्त को होगी। बता दें कि आरोपित ज्योति के वकील की ओर से लगाई गई जमानत याचिका भी अदालत खारिज कर चुकी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि ज्योति मल्होत्रा को 16 मई को पूछताछ के बाद उसके घर से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने ज्योति से अलग-अलग पूछताछ की थी। ज्योति से पाकिस्तान के लिए जासूसी और पहलगाम मामले में टेरर कनेक्शन की भी जांच की गई। हालांकि, जांच में क्या निकला यह पुलिस की चार्जशीट में स्पष्ट होगा। पुलिस ज्योति का 9 दिन का रिमांड ले चुकी है।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। विजेता टीम को सम्मानित करती स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना।

रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में अंतर सदन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। यह प्रतियोगिता तीन स्तरों पर आयोजित की गई। प्रथम स्तर कक्षा पहली से तीसरी के लिए, द्वितीय स्तर कक्षा चौथी से सातवीं के लिए तथा तृतीय स्तर कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के छात्रों के लिए था। प्रत्येक स्तर पर छात्रों ने विज्ञान से संबंधित रोचक और चुनौतीपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में छात्रों की वैज्ञानिक समझ, तर्क शक्ति और त्वरित उत्तर देने की क्षमता की परीक्षा ली गई।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे प्रथम स्तर (कक्षा पहली से तीसरी) में टैगोर सदन विजयी रहा जिसमें गौरवी, रेहान, शिवाय, योगित और कनुप्रिया शामिल थे। द्वितीय स्तर (कक्षा चौथी से सातवीं) एवं तृतीय स्तर (कक्षा आठवीं से बारहवीं) में बोस सदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें कृति , नीरा, खुशी, समृद्धि, अभिजोत, खुशी, जिपी, तनिष्का और विद्या ने सराहनीय प्रदर्शन किया। स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल (डॉ.) डीवी नेहरा ने विद्यार्थियों के इस शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

भाविप ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

- तीज महोत्सव में राष्ट्र, धर्म व समाज आधारित प्रस्तुतियों ने मोह लिया मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भाविप की केशव शाखा के तीज महोत्सव का आनंद उठाते अतिथिगण व शाखा सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारत विकास परिषद की केशव शाखा की मातृशक्ति द्वारा हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल ने किया। इस अवसर पर नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और क्षेत्रीय संगठन सचिव (उत्तर क्षेत्र दो) जियालाल बंसल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सभी अतिथियों ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

इस अवसर पर मोहित बंसल सह जिला संघचालक, नगर संघ चालक राहुल अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष मुकेश बंसल, सरपरस्त सुरेंद्र लाहौरिया, शाखा गतिविधि संयोजिका महिला सहभागिता सविता जैन, अनुपमा अग्रवाल, मीनाक्षी लाहौरिया, रेखा अग्रवाल एवं महिला कार्यकारिणी की अन्य सदस्य उपस्थित रही।

तीज महोत्सव में केशव शाखा से जुड़े परिवारों के बच्चों व बहू-बेटियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके समां बांध दिया। तीज के रंग-सैनिकों के संग ऑपरेशन सिंदूर की भावपूर्ण प्रस्तुति देखकर देशभक्ति की भावना का संचार हुआ। अनुपमा अग्रवाल ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। शाखा परिवार की बहू-बेटियों और बहनों द्वारा राष्ट्र, धर्म व समाज आधारित प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि सावित्री जिंदल ने अपने संबोधन में केशव शाखा के सामाजिक सरोकार परोपकार के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से भूरि-भूरि प्रशंसा की।

एसडी स्कूल में विद्यार्थियों ने किया मॉक चुनाव प्रक्रिया का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। मॉक चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव प्रक्रिया की जानकारी हासिल करती स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह।

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में सोमवार को 11वीं व 12वीं कक्षा की कला संकाय के विद्यार्थियों द्वारा मॉक चुनाव प्रक्रिया से संबंधित प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशानुसार प्रैक्टिकल एक्सपोजर शिक्षा पद्धति के लिए आवश्यक है। बच्चों ने विभिन्न चुनाव पार्टी के नेताओं के प्रतिनिधि के रूप में काम किया। बच्चों व अध्यापक वर्ग द्वारा मतदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका सुमन झाम्ब व रेनू शर्मा के सहयोग से संपन्न हुआ। प्राचार्या ऋतु सिंह ने बताया कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों को देश की लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त होता है।

हिसार। विजेता विद्यार्थियों के साथ प्रधानाचार्या मंजु सुधाकर।

डीपीएस ने ओलिंपियाड परीक्षाओं में जीते 61 स्वर्ण पदक और कैश प्राइज

हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने साइंस ओलिंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित साइंस, मैथ, इंग्लिश, इन्फार्मेटिक्स, जी. के. विषय की प्रतियोगिता परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की। ओलिंपियाड कोऑर्डिनेटर डॉ. विकास शर्मा ने बताया स्कूल के विद्यार्थियों ने 61 स्वर्ण पदक व एक कांस्य पदक सहित कुल 62 मैडल, कैश प्राइज और सर्टिफिकेट्स प्राप्त किए। स्कूल के पहली कक्षा के विद्यार्थियों डियाना, वंशिका, एलिशा, ध्रुव और शिवांश ने प्रतियोगिता के दूसरे चरण में टॉप ओलिंपियाड रैंक प्राप्त किया जिसके लिए विद्यार्थियों को एस. ओ. एफ फाउंडर डायरेक्टर की और से मैडल, कैश प्राइज, विशेष प्रशंसा पत्र दिया गया।

एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी को पंजाब विस स्पीकर ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। अवार्ड के साथ सेलिब्रिटी प्रदुमन सूरी। फोटो: हरिभूमि

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी को नेशनल क्रिएटर का अवार्ड मिला है। चंडीगढ़ में आयोजित निजी समारोह में सूरी को पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर की मौजूदगी में पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संदवान तथा पंजाब के कैबीनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने उन्हें यह अवार्ड दिया।

उन्हें एस्ट्रोलॉजी और न्यूमेरोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान मिला है। सूरी को अब तक अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र पर प्रतिष्ठित अवार्ड मिल चुके हैं। 600 आवेदकों में से प्रदुमन का चयन प्रदुमन सूरी को रीजनल क्रिएटर्स और कन्टेंट लिखने वाले 600 से ज्यादा आवेदकों में से चुना गया है। सूरी न्यूरोलॉजी और न्यूमेरोलॉजी के क्षेत्र में पिछले 19 सालों से सक्रिय हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं।

सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स की संख्या और कंटेंट को देखते हुए विजेताओं का चयन किया गया है। सूरी के इस समय सोशल मीडिया पर करीब 90 मिलीयन फॉलोवर्स हो चुके हैं और इसकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

साची मित्तल बनीं तीज क्विन

- भाविप विवेकानंद शाखा का तीज महोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। प्रथम रनर अप रुचि मित्तल व द्वितीय रनर अप रेहा सिंह के साथ बीच में तीज क्वीन साची मित्तल।

भारत विकास परिषद् विवेकानंद शाखा की ओर से अग्रसेन भवन में तीज महोत्सव एवं परिवार मिलन का आयोजन किया गया। शाखा महिला गतिविधि संयोजक रेणु मंगल ने बताया कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सावित्री जिन्दल विधायक, हिसार थीं।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला डॉ. प्रतीमा गुप्ता, हेमलता जायसवाल, रंजना उपस्थित हुई जबकि विशिष्ट अतिथि वीना गर्ग, कमलेश जैन, पार्षद्ध सुमन यादव व सरोज जैन, उर्मिला पूनिया, भारती मुंजाल, ज्योती डालमिया, रीतू गुप्ता, पुष्पा गुप्ता एवं प्रवीन गोयल ने शिरकत की। मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे त्यौहार हमारी संस्कृति की पहचान है। कार्यक्रम के दौरान तीज क्विन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें साची मित्तल को तीन क्विज का खिताब मिला जिन्हें डॉ. प्रतिमा गुप्ता ने तीज क्विन का ताज पहनाकर सम्मानित किया।

शिविर में एसडीएम ने सुनीं जन समस्याएं

हांसी। संयुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में सोमवार को एसडीएम राजेश खोथ ने जन समस्याओं को सुना और अधिकारियों को सभी प्रस्तुत समस्याओं का समाधान त्वरित आधार पर करने के निर्देश दिए। शिविर में गांव प्रेम नगर निवासी सोहना देवी ने बुढ़ापा पेंशन की राशि बैंक खाते में नहीं पहुंचने को लेकर शिकायत प्रस्तुत की। इस पर एसडीएम संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह तुरंत जांच कर समस्या का निदान करवाना सुनिश्चित करें।

- अधिकारियों को त्वरित आधार पर समाधान करने के दिए निर्देश

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरोहरों पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

'आ रहा है राखी का त्यौहार दूर है भाई तू अबकी बार'

श्रावण मास में महिला काव्य मंच की हिसार इकाई द्वारा ऑनलाइन मासिक गोष्ठी आयोजन किया गया। गोष्ठी में मंच की राष्ट्रीय महासचिव सीमा शर्मा की मुख्य अतिथि के रूप में और जींद इकाई की अध्यक्ष अनिता शर्मा की विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थित रही। गोष्ठी की अध्यक्षता एवं मंच संचालन हिसार इकाई की अध्यक्ष पूनम मनचंदा ने किया।

मां वीणापाणि की स्तुति के उपरांत कवयित्री डॉ. दविना अमर ठकराल ने अपनी रचना 'जीवन में सदा आदर्शवादिता होनी चाहिए, नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता होनी चाहिए' सुनाकर सभी की सराहना पाई। कवयित्री रिया नागपाल ने 'आ रहा है राखी का त्यौहार दूर है भाई तू अबकी बार' सुनाकर सभी की प्रशंसा पायी। मुख्य अतिथि कवयित्री सीमा शर्मा ने अपनी गजल 'महफिलें नित नई तुम सजाते रहो, गम भले लाख हों मुस्कुराते रहो' सुनाकर सबका दिल जीत लिया। कवयित्री दीपिका राठी ने अपनी रचना 'ये भारत की धरती महान, धरोहर इसमें बेमिसाल' के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों पर प्रकाश डाला।

कवयित्री खुशबू जैन ने 'लोग कहते हैं कड़वी जुबान मेरी, क्या करूं यही सच्ची पहचान मेरी' सुनाकर सभी की वाहवाही पाई। विशिष्ट अतिथि अनिता शर्मा ने अपनी रचना के माध्यम से समाज में हो रहे मूल्यों के बदलाव पर प्रकाश डाल कर सभी की तारीफ़ पायी। मंच की उपाध्यक्ष डिम्पल सैनी ने सभी कवयित्रियों का काव्य सरिता बहाने पर आभार व्यक्त किया।